SA-01

December - Examination 2016

B.A. Pt. I Examination

Natak, Katha, Sahitya, Chhand Evam Alankar

नाटक, कथा साहित्य, छन्द एवं अलंकार

Paper - SA-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न) (अनिवार्य)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्न के अनुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में सीमित करिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) नायक के चार प्रकार कौन–कौन से हैं? नाम बताइये।

(ii) समवृत्त व अर्धसमवृत्त में क्या अन्तर है?

(iii) 'विभानुभावव्यभिचारिसंयोगाद् रसनिष्पत्तिः' सूत्र के रचनाकार का नाम बताइए। उस रचना का नाम भी बताइए जिसमें यह वाक्य उद्धृत है।

(iv) भास के द्वारा लिखित कुल कितने रूपक उपलब्ध हैं?

(v) हितोपदेश की रचना का मुख्य प्रयोजन क्या है?

(vi) उपेन्द्रवज्रा छन्द का लक्षण बताइये।

(vii) बृहत्कथा के लेखक का नाम बताइये।

(viii) अलंकार सम्प्रदाय के किन्हीं दो आचार्यों के नाम बताइये।

(ix) उपमा व रूपक अलंकार में अन्तर बताइये।

(x) अनुष्टुप छन्द में प्रत्येक चरण में कितने वर्ण होते हैं?

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर अधिकतम 200 शब्दों का हो सकता है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(i) विश्रब्धं हिरणाश्चरन्त्यचकिता देशागतप्रत्यया
वृक्षा: पुष्पफलै: समृद्धविटपा: सर्वे दयारक्षिता:।
भूयिष्ठं कपिलानि गोकुलधनान्यक्षेत्रवत्यो दिशो
नि:संदिग्धमिदं तपोवनमयं धूमो हि बह्वाश्रय:।

(ii) क: कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले
रजुच्छेदे के घटं धारयन्ति।
एवं लोकस्तुल्यधर्मो वनानां
काले–काले छिद्यते रुह्यते च।

3) वासवदत्ता की चारित्रिक विशेषताएँ बताइये।

4) किन्हीं दो सूक्तियों की व्याख्या कीजिये।

(i) तपोवनानि नाम अतिथिजनस्य स्वगेहम्।

(ii) अनतिक्रमणीयो हि विधिः।

(iii) सत्कारो हि नाम सत्कारेण प्रतीष्टः प्रीतिमुत्पादयति।

(iv) प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते।

5) निम्नलिखित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण दीजिए।
   (i) उपजाति
   (ii) पुष्पिताग्रा

6) नाटक की उत्पत्ति के क्या उद्देश्य बताए गए हैं?

7) स्वप्नवासवदत्त का कथानक संक्षेप में लिखिये।

8) नीतिकथा–साहित्य के विकासक्रम पर लेख लिखिये।

9) निम्नलिखित में से किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण बताइये।
   (i) उत्प्रेक्षा
   (ii) अनुप्रास
   (iii) भ्रान्तिमान
   (iv) तुल्ययोगिता

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये। उत्तर अधिकतम 500 शब्दों का होना चाहिये। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) किन्हीं दो पद्यांशों की हिन्दी में सप्रसगं व्याख्या कीजिये।
   (i) यथा मृत्पिण्डतः कर्ता कुरुते यदिच्छति।
   एवमात्मकृतं कर्म मानवः प्रतिपद्यते।

(ii) प्राणा यथाऽत्मनोऽभीष्टा भूतानामपि ते तथा।
आत्मौपम्येन भूतानां दयां कुर्वन्ति साधवः।

(iii) निर्गुणेष्वपि सत्त्वेषु दयां कुर्वन्ति साधवः।
न हि संहरते ज्योत्सनां चन्द्रश्चाण्डालवेश्मनः।।

(iv) निजसौख्यं निरुन्धानो यो धनार्जनमिच्छति।
परार्थभारवाहीव स क्लेशस्यैव भाजनम्।।

11) भास के रूपकों की सोदाहरण विशेषताएँ बताइये।

12) नाटक के विकासक्रम का परिचय देते हुए नाटककार के रूप में भास का स्थान निर्धारित कीजिये।

13) वृद्धब्राह्मण तथा व्याघ्र की कथा एवं चूड़ाकर्ण सन्यासी व मूषक की कथा का सारांश लिखिये तथा बताइये कि इन कथाओं से क्या शिक्षा प्राप्त होती है?